



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



Cadaver Organ Donor

Lt. Pruthvirajsinh Raysangbhai Chauhan

Donated his: Kidney, Liver & Corneas

Date:- 18/06/2022

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

अंगदान • कारडिया राजपूत समाज के 36 वर्षीय पृथ्वीराज सिंह चौहान का दाढ़ी रोड पर हो गया था एक्सीडेंट बाइक फिसलने से गिरा रत्न कलाकार हुआ ब्रेनडेड, परिजनों ने किडनी, लिवर व आंखें दान कीं, 5 लोगों को मिला नया जीवन

स्टोरी रिपोर्टर | सूरत

कारडिया राजपूत समाज के 36 वर्षीय पृथ्वीराज सिंह राजसमाई चौहान वाइस एक्सीडेंट में चायल हो गए थे। उसके सिर पर गहरी छेत्रे आई थीं। उन्हें सूरत के मिलन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्राथमिक इलाज करने के बाद अधिक उपचार के लिए किरण अस्पताल में ले जाया गया था। मिटी स्कैन कराने पर दैन रैमेज सोने के अवधूत नाम, कतरगांव में रहने और आंखों के कारबखने में कठम करने वाले सिंह 15 जून को डाइटोरों ने पृथ्वीराज सिंह 15 जून को दोस्तों के

साथ दाढ़ी चुम्ने गए थे। वहाँ से वापस आते समय दाढ़ी रोड पर सिल्वर स्टोन विला के सामने बाइक फिसलने से वह गिरकर आयल हो गए थे। उसके सिर पर गहरी छेत्रे आई थीं। उन्हें सूरत के मिलन अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

प्राथमिक इलाज करने के बाद अधिक उपचार के लिए किरण अस्पताल में ले जाया गया था। मिटी स्कैन कराने पर दैन रैमेज सोने के कारण मरिटेक्स में खून जाने का चाना 17 जून को डाइटोरों ने पृथ्वीराज सिंह को ब्रेनडेड घोषित कर दिया।

परिवार की सम्मति: डोनेट लाइफ की टीम ने किरण अस्पताल पहुंच कर


पृथ्वीराज सिंह के भाई जगतसिंह चौहान, जनरल मूल्यांकन वाला, चौरे भाई मनु चौहान, वीस्ट मिलन सिंह परिवार की अंगदान के लिए राजा किरणा पृथ्वीराज सिंह के भाई जगतसिंह राजकोट में काल्टेकल हैं। पृथ्वीराज सिंह के परिवार में उनके पिता, फलो और दो बेटे हैं। बड़ा बेटा 15 वर्षीय भवादीप सिंह चौहान 10वीं और छोटा बेटा 13 वर्षीय हिंन सिंह चौहान 8वीं कक्ष में जुलूस हैं।

एक किडनी 19 वर्षीय युवती को मिली: मिटी और लीवर सूरत के किरण अस्पताल को दिया गया। दान में मिली एक किडनी का ट्रांसप्लांट करवायी जी 19 वर्षीय युवती और दूसरी किडनी सूरत के रहने वाले 22 वर्षीय युवक में ट्रांसप्लांट की गई। किरण अस्पताल में ही लीवर सूरत के 67 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लांट किया गया। किरण अस्पताल में ही जरूरतमंद मरीजों को दी जाएगी।

शहर में 36 वर्षीय ब्रेनडेड जैलर के किडनी, लीवर और आंखें दान करने से 5 लोगों को मिला नया जीवन

चीओटी संचाददाता

सूरत, 18 जून

टेक्सनटाइल और जायमनड सिटी के नाम से जाना जाने वाला सूरत शहर अब देश में ऑर्गेन डोनर सिटी के रूप में लोकप्रियता हासिल कर रहा है। हिंदू कर्तिया राजपूत समाज के 36 वर्षीय पृथ्वीराज सिंह राजसमाई चौहान के परिवार ने अपने स्वजन के ब्रेनडेड घोषित होने पर गुरु, जिगर और आंखों दान कर और पांच लोगों को फिर से जीवन दाने वाली मानवता की खुशबू कैलाकर समाज को एक नई दिशा दिखाई है।

कतारगाम अवधूत नगर, 203 हरि कृष्ण अपार्टमेंट में रहने वाले और जाँची ही का काम करने वाले पृथ्वीराज सिंह 15 जून को अपने दोस्तों के साथ दाढ़ी चुम्ने गए थे। वह वहाँ से घर लौट रहा था कि दाढ़ी रोड पर सिल्वर स्टोन विला के सामने उत्तरको बाइक फिसल गई और उसके सिर में गंभीर चोट आयी। उन्हें तुंत सूरत के नए सिल्विल अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहाँ प्राथमिक उपचार देने के बाद आगे के इलाज के लिए किरण अस्पताल में भर्ती कराया गया। सीटी स्कैन से ब्रेन डेमरेज और ब्रेन में खून के थके का पता चला। 17 जून को पृथ्वीराज सिंह को ब्रेनडेड घोषित किया गया।

डोनेट लाइफ की टीम ने अस्पताल



पहुंचकर पृथ्वीराज सिंह के भाई जगतसिंह चौहान, ब्रॉडीयी फूलसांगाई चौहा, चौरे भाई मनु चौहान, पिता मिलनसिंह परिवार की अंगदान का महत्व और पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया। पृथ्वीराज सिंह के भाई जगतसिंग, जो राजकोट में एक पुलिस कांस्टेबल के रूप में इस्टी पर है, साथ ही परिवार के अन्य सदस्यों ने कहा कि बटाना हो गई थी जो होना चाहिए था। आज हमारा भाई ब्राउडेड है और उसकी भौति निश्चित है। इसलिए अंगदान के लिए हामी भर दी। पृथ्वीराज सिंह के परिवार में उनके पिता, फलो और दो बेटे हैं। जो कक्ष

10 और कक्ष 8 में पढ़ते हैं

किरण अस्पताल, सूरत को किडनी और लीवर आवंटित किया गया। दान की गई किडनी में से एक नवजारी को 19 वर्षीय लड़की में प्रत्यारोपण सूरत के एक 22 वर्षीय व्यक्ति में किया गया गया है, और किरण अस्पताल में एक सूरत निवासी 67 वर्षीय व्यक्ति में यकृत प्रत्यारोपण किया गया है। दान की गई आंखों की सूरत के किरण अस्पताल में दो जरूरतमंद मरीजों में उनके पिता, फलो और दो बेटे हैं। जो कक्ष

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लीवर, हृदयदान..."

News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



शहर में 36 वर्षीय ब्रेनडे के किडनी, लीवर और आंखें दान करने से 5 लोगों को मिला नया जीवन अंगदान ने मानवता की सुगंध फैलाई और समाज को एक नई दिशा दिखाई



लोकतेज संवाददाता

सूरत। टेक्सटाइल और डायमंड सिटी के नाम से जाना जाने वाला सूरत शहर अब देश में आँगन डोनर सिटी के रूप में लोकप्रियता हासिल कर रहा है। हिंदू कर्दिया राजपूत समाज के 36 वर्षीय पृथ्वीराज सिंह रायसंगभाई चौहान के परिवार ने अपने स्वजन के ब्रेनडे घोषित होने पर गुरु, जिगर और आंखें दान कर और पांच लोगों को फिर से जीवंत करने वाली मानवता की खुशबू फैलाकर समाज को एक नई दिशा दिखाई है।

कतारगाम अवधूत नगर, 203 हरि कृष्ण अपार्टमेंट में रहने वाले और जौहरी का काम करने वाले पृथ्वीराज सिंह 15 जून को अपने दोस्तों के साथ दांडी घूमने गए थे। वह वहां से घर लौट रहा था कि दांडी रोड पर सिल्वर

स्टोन विला के सामने उसकी बाइक फिसल गई और उसके सिर में गंभीर चोट आयी। उन्हें तुरंत सूरत के नए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां प्राथमिक उपचार देने के बाद आगे के इलाज के लिए किरण अस्पताल में भर्ती कराया गया। सीटी स्कैन से ब्रेन हेमरेज और ब्रेन में खून के थक्के का पता चला। 17 जून को पृथ्वीराज सिंह को ब्रांडेड घोषित किया गया। डोनेट लाइफ की टीम ने अस्पताल पहुंचकर पृथ्वीराज सिंह के भाई जगतसंग चौहान, बहनोंयी फूलसंगभाई वाला, चचेरे भाई मनुभाई चौहान, मित्र मिलनसिंह परमार को अंगदान का महत्व और पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया। पृथ्वीराज सिंह के भाई जगतसंग, जो राजकोट में एक पुलिस कांस्टेबल के रूप में ड्यूटी पर हैं, साथ ही परिवार के

अन्य सदस्यों ने कहा कि घटना हो गई थी जो होना चाहिए था। आज हमारा भाई ब्रांडेड है और उसकी मौत निश्चित है। इसलिए अंगदान के लिए हामी भर दी। पृथ्वीराज सिंह के परिवार में उनके पिता, पत्नी और दो बेटे हैं। जो कक्षा 10 और कक्षा 8 में पढ़ते हैं।

किरण अस्पताल, सूरत को किडनी और लीवर आवंटित किया गया। दान की गई किडनी में से एक नवसारी की 19 वर्षीय लड़की में प्रत्यारोपित किया गया है, दूसरा किडनी प्रत्यारोपण सूरत के एक 22 वर्षीय व्यक्ति में किया गया है, और किरण अस्पताल में एक सूरत निवासी 67 वर्षीय व्यक्ति में यकृत प्रत्यारोपण किया गया है। दान की गई आंखों को सूरत के किरण अस्पताल में दो जरूरतमंद मरीजों में प्रत्यारोपित किया जाएगा।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लीवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

सड़क दुर्घटना में घायल कतारगाम के हीरा कारीगर को ब्रेन डेड घोषित करने के बाद परिवार ने किया अंगदान हीरा कारीगर के अंगदान से तीन को नई जिंदगी और दो को मिली रौशनी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. कतारगाम के एक ब्रेन डेड हीरा कारीगर के अंगदान से तीन जनों को नई जिंदगी और दो को नई रौशनी मिली है। सड़क दुर्घटना में घायल हीरा कारीगर के ब्रेन डेड होने के बाद परिवार ने अंगदान का निर्णय किया था।

कतारगाम अवधूत नगर हरि कृष्ण अपार्टमेंट निवासी पृथ्वीराज सिंह रायसंग चौहान हीरा कारीगर थे। 15 जून को पृथ्वीराज अपने दोस्तों के साथ दाढ़ी धूमने गए थे। लौटते समय मोटर साइकिल रिलप होने से पृथ्वीराज गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें पहले न्यू सिविल अस्पताल

और बाद में किरण अस्पताल में भर्ती किया गया था। यहाँ 17 जून को चिकित्सकों ने ब्रेन डेड घोषित किया। जानकारी मिलने पर डोनेट लाइफ के प्रमुख निलेश मांडलेवाला अस्पताल पहुंचे और परिजनों को अंगदान का महत्व समझाया।

परिवार अंगदान के लिए तैयार हो गया। इसके बाद डोनेट लाइफ की ओर से दोनों किडनी, लिवर और चक्षुओं का दान स्वीकारा। एक किडनी नवसारी की 19 वर्षीय युवती और दूसरी सूरत की 22 वर्षीय युवती में ट्रांसप्लांट की गई। वहीं, लिवर का ट्रांसप्लांट सूरत के 67 वर्षीय वृद्ध में किया गया।

221 अंगदाता परिवारों का सम्मान आज

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. अंगदान के मामलों में सूरत राज्य में सबसे आगे है। किरण अस्पताल ने रविवार को शहर के सरसाणा स्थित

एग्जीविशन एंड कन्वेंशन सेंटर में अंगदान जागृति समारोह का आयोजन किया है। समारोह में 221 अंगदाता परिवारों तथा डोनेट लाइफ के संस्थापक निलेश मांडलेवाला और अंगदान के लिए प्रेरित करने वाले 25 डॉक्टरों का सम्मान किया जाएगा। इस मौके

पर अंगों को समय पर विभिन्न शहरों के अस्पतालों तक पहुंचाने में विशेष सहयोग देने वाली सूरत शहर पुलिस, एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारी, सिविल अस्पताल और मनपा के स्टाफ को भी सम्मानित किया जाएगा। किडनी और लिवर ट्रांसप्लांट की सुविधा शुरू होने के बाद से सफलता पूर्वक ट्रांसप्लांट करने वाले किरण अस्पताल के डॉक्टरों की टीम को भी सम्मानित किया जाएगा। राज्य के स्वास्थ्य सचिव मनोज अग्रवाल उपस्थित रहेंगे।

डोनेट लाइफनां प्रयासोंथी सुरतनां युवक अने नवसारीनी युवतीने किडनी मणी : सुरतनां वृद्धने लीवर मण्युं

कतारगामनां रत्नकलाकार युवाननां अंगोथी पांच व्यक्तिने नवुं जुवन मण्युं

सूरत, २०.६.२४

कतारगामनां अवधूत नगर, हरिकिंव अपार्टमेंट्स के दोस्तों अने रत्नकलाकार नवीकी काम करतां पृथ्वीराजसिंह ता. १५ जून को पृथ्वीराज साथे दाढ़ी धूमने गए थे। उपर सिविल स्टोन विलासी साथे मोटर साइकिल स्वीप वर्छ जाने तो नेम भायामां अंगदी छिल्लभों यथावी नात्कालिक सुरतनी नवी सिविल होस्पिटकमां दानाव अवामां आव्यो प्राथमिक सारवार आपा बाद वपु सारवार माटे किरण होस्पिटकमां न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक ठाकोरनी सारवार हेठला दानाव करवामां आव्यो। निहान माटे किरीकेन करवाना छोट्ठन देमरेज बवाने करते भगजहमां लोहीनो गहो जमी गयो लोवानुं निहान थयुं लहुं। ता. १७ जूना रोज़ न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक ठाकोर, न्यूरोक्लिनिक डॉ. लीना



अकस्मात बाद ल्रेइन केड पृथ्वीराजसिंह रायसंगभाई योहाना परिवारे डोनेट लाइफनां माध्यमथी पोताना किडनी, लिवर अने चक्षुओनुं दान कर्यु

कण्ठ, ईन्टे-न्टीवीस्ट डॉ. दर्शन लाईकना स्प्रापक-प्रमुख निकेश त्रिवेदी अने मेडिकल प्रायरेक्टर डॉ. मेहुल पंचाले पृथ्वीराजसिंहने खीरीनेंद्र अंगेनी और लेटर कर्यां लो. मेडिकल अपरेक्टर डॉ. मेहुल पंचाले दीमे होस्पिटक फोर्मोंथी डॉ. मेहुल

पंचाल साथे रही पृथ्वीराजसिंहना भाई जगतसंग चौधारा, अनेकी इक्कलनमार्भ चाला, पितराई बाई मनुभाई चौधारा, मित्र मिलनसिंह परमारने अंगदानानुं महत्व अने तेनी समझ ब्रह्मिया सभाजावी, पू खीराजसिंहना बाई जगतसंग तेव परिवार अंगदानी मंजूरी आपी हती। पृथ्वीराजसिंहना परिवारमां तेना पिता, पती अने ने पुराने छे छें थोरात १० अने थोरात ८८ अभ्यास करे छे। SOTTO दारा किडनी अने विवर सुरतनी डिरेक्टर लोस्पिटलमां डॉ. संकित शाह दारा करवामां आवरो। सुरत अने दक्षिण नुजरत मांची द्वानेट लाईक दारा कुल १०२३ अंगो अने वीस्पुओनुं दान करवामां आव्युं छे छेंमां ४३० किडनी, १८७ लिवर, ८ पेंजीआस, ४० हृदय, २४ कंकसा, ४ लाय अने ३३२ चक्षुओना दानही कुल ८३८ व्यक्तिमाने नुजरत अने नवी द्रष्टि भवावामां सकैगता मणी छे।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

મોટરસાઈકલ સ્લીપ થવાથી પટકાયેલા અને

બેઈનડેડ કતારગામના રત્નકલાકાર યુવાનના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું

સુરત, તા. ૧૮

શહેરના ૨૦૩ હાઈ ક્રિક્ટ એપાર્ટમેન્ટ, અવધૂત નગર, કતારગામ મુકામે રહેતો અને રત્નકલાકાર તરીકે કામ કરતો પૃથ્વીરાજસિંહ તા. ૧૫ જુનના રોજ પોતાના મિત્રો સાથે દાંડી ફરવા ગયેલ હતો, ત્યાથી પોતાના ઘરે પરત કરી રહ્યો હતો ત્યારે દાંડી રોડ ઉપર સિલ્વર સ્ટોન વિવાની સામે મોટર સાયકલ સ્લીપ થઈ જતા તેને માથામાં



એક કીડની નવસારીની યુવતીને બીજી કીડની સુરતના યુવકને અને લીવરનું દાન સુરતમાં ૪ ૬૭ વર્ષના વૃદ્ધનું કરવામાં આવ્યું: યક્ષુઓને દાન હવે જરૂરિયાતમંદને કરાશે

જેઓ રાજકોટમાં પોલીસ કોન્સ્ટેબલ તરીકે ફરજ બાજાને છે તેમજ પરિવારના અન્ય સલ્યોઝે જ્ઞાપાયું કે જનવાકાળ જે ઘટના જનવાની હતી તે બની ગઈ છે આજે અમારો બાઈ બેઈનડેડ છે અને તેનું મુત્ય નિશ્ચિત ૪ છે ત્યારે તેના અંગોના દાન થકી ઓર્ગન નિષ્ઠળતાના દર્દીઓને નવું જીવન મળતું હોય તો અંગદાન માટે આપ આગળ વધો અંગદાનનું કાર્ય એક ઈશ્વરીય કાર્ય છે. પૃથ્વીરાજસિંહના પરિવારમાં તેના પિતા, પત્ની અને બે પુત્રો છે જેઓ ધોરણ ૧૦ અને ધોરણ ૮ માં અભ્યાસ કરે છે.

હિંદુ કારડિયા રાજ્યૂત સમાજના ચૌહાણ પરિવારનું સરાહનીય કાર્ય કતારગામના રત્નકલાકારનાં અંગોના દાનથી પંચ વ્યક્તિની જિંદગી જગમગી

સુરત ।

હિંદુ કારડિયા રાજ્યૂત સમાજના અને કતારગામ વિસ્તારમાં રહેતા રત્નકલાકાર યુવકના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિની જિંદગી જગમગી છે. ચાર ડિવસ અગાઉ દાદી રોડ પર બાઈક સ્લીપ થતાં ગંભીર ઠંડી પામેદાન રત્નકલાકારને હોસ્પિટમાં સારવાર દરમિયાન બેઈનડેડ થોપિત કરાના પરિવારે તેના અંગોનું દાન કરી સરાહનીય કાર્ય કર્યું છે.

મૂળ ભાવનગર, વલલભીપુરના મોષપુરનો વતની પૃથ્વીરાજસિંહ રાયસંગમાઈ ચૌહાણ (૩૬, ૩૬) પરિવાર આથે કતારગામ, અવધૂતનગર સિથ્ટ કિષ્ટ એપાર્ટમેન્ટમાં રહેતો હતો અને ડાયમેન્ડ ઇન્ક્ટરીમાં નોકરી કરી ગજરાન થલાવતો હતો. ગત તા. ૧૫મીને પૃથ્વીરાજસિંહ મિત્રો સાથે દાંડી ફરવા ગયો હતો. ત્યારબાદ પરત ફરતી કથતે દાંડી રોડ પર સિલ્વર સ્ટોન વિવાની સામે બાઈક સ્લીપ થતા પૃથ્વીરાજસિંહને ગંભીર ઠંડી થવા પામી હતી. તેને પ્રથમ આરવાર મારે સિવિલ બાદ ખાનગી હોસ્પિટમાં ખસેડાયો હતો. સીરીરેકેન સહિતની તપાસમાં પૃથ્વીરાજસિંહના મગજમાં દેમરેજ થતા લોઈનો ગઢો જીમી જયો હોવાનું નિદાન થયું હતું. દરમિયાન શુક્રવારે તથીબી ટીમે તેને



બેઈનડેડ થોપિત કર્યો હતો. પૃથ્વીરાજસિંહની અજાયારી વિદ્યાર્થી તેની પુત્રી અને પુત્રને પિતાની છન્નાંથાં ગુપ્તાદી છે. ડેનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાને જ્ઞાપાયું હતું કે, બેઈનડેડ વ્યક્તિના અંગદાનનું મહત્વ સમજાવતા પૃથ્વીરાજસિંહના પરિવારજીનો તેના અંગોનું દાન કરવા રાજ થયા હતા. દાનમાં મેળેલી એક કીડની નવસારીની ૧૮ વર્ષીય યુવતીમાં અને બીજી કીડની સુરતના ૨૨ વર્ષીય યુવકમાં દ્રાન્સલાન્ડ કરાઈ હતી. જ્યારે વિવરનું દ્રાન્સલાન્ડ સુરતના ૬૭ વર્ષીય વ્યક્તિમાં કરાયું હતું. બંને યક્ષુનું દ્રાન્સલાન્ડ બે જરૂરિયાતમંદ વ્યક્તિમાં કરવામાં આવ્યું હત્યું.

" જીતે જી રક્તદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્યદાન..."



હિંદુ કારડિયા રાજપુત યુવકના અંગદાન
થકી પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યા

કતારગામના મુણ સૌરાષ્ટ્રીયન તેથી વર્ષિય રલ કલાકાર પથ્વીરાજસિંહ
ચૌહાણ દાંડીથી પરત ફરતી વેળા બાઈક સ્લીપ થતા બ્રેઇન ડેડ થયા હતા

धर्मकार प्रतिनिधि, सूरत, ता. १८

ભાવનગર જિલ્લાના
વલલભીપુર તાલુકાના મોષાપુરના
વતની અને છાલ ૨૦૩, હરી કિંખ
એપાર્ટમેન્ટ, અવધૂત નગર,
કાતારગામ મુકામે રહેતા ઉદ્વિષય
રણ કલાકાર પૃથ્વીરાજસિંહ ચૌહાણ
બાઈક સ્લીપ થતા માથામાં ગંભીર
ઇજાઓને કારણે બ્રેઇન ડેડ થતા
પરિવારે તેમના અંગદાન થકી પાંચ
વ્યક્તિઓને નવું જીવન આપી
માનવતાનું ઉદાહરણ પુરુષાંથી.

ધો. ૧૦ અને ૮માં અભ્યાસ
કરતા બે પુરોના પિતા
પૃથ્વીરાજસિંહ ૧૫ જુનના રોજ
મિત્રો સાથે દાંડી ફરવા ગયેલ, ત્યાંથી
પરત ફરતી વેળા દાંડી રોડ ઉપર
સિલ્વર સ્ટોન વિવાની સામે બાઈક
સ્લીપ થઈ જતા તેને માથામાં ગંગીર
ઈજાઓ સાથે નવી સિવિલ
હોસ્પિટલમાં અને ત્યાંથી વધુ
સારવાર માટે ડિરક્ષ હોસ્પિટલમાં
દાખલ કરાયા હતા. જ્યાં સીટિ



સ્કેનમાં બ્રેઇન હેમારેજને કારણે
મગજમાં લોહી જામી ગયું હોવાનું
નિદાન થયું હતું. તા. ૧૭ના રોજ
તેને બ્રેઇન ડેડ ઝાંચેર કરાયા બાદ
મેડિકલ શપરેક્ટર ડૉ. મેહુલ પંચાલે
ડોનેટ લાઈફના નિલેશ
માંડલવાલાને જાડા કરતા ડોનેટ
લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી ડો.
મેહુલ પંચાલ સાથે રહી
પૃથ્વીરાજસિંહના ભાઈ જગતસંગ
ચૌહાણ, બેનેવી ફુલસંગભાઈ વાળા
પિતરાઈ ભાઈ મનુભાઈ ચૌહાણ
મિગ મિલનસિંહ પરમારને
અંગદાનનું મહત્વ અને તેની સમગ્ર
પ્રક્રિયા સમજાવતા રાજકોટમાં
પોલીસ કોન્સ્ટેબલ તરીકે ફરજ
બજાવતા પૃથ્વીરાજસિંહના ભાઈ
જગતસિંહ સહિત પરિવારે
અંગદાનની સંમેંતિ આપી હતી.

દાનમાં મેળવવામાં આવેલી
પૃથ્વીરોજસિંહની એક કિડનીનું
ટ્રાન્સપ્લાન્ટ નવસારીની ૧૮ વર્ષીય
યુવતીમાં, બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ

સુરતનાર્દ વર્ષીય યુવકમાં, લિવરનું
ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના હજ વર્ષીય
વ્યક્તિમાં સુરતની કિરણ
હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે.
દાનમાં મેળવવામાં આવેલી ચ્યબુઓનું
ટ્રાન્સપ્લાન્ટ બે જરૂરિયતમંડ દર્દીઓ
સુરતની કિરણ હોસ્પિટલમાં જ
કરવામાં આવશે. સુરત અને દક્ષિણ
ગુજરાતમાંથી ડોનેટ લાઈફ લાયા
કુલ ૧૦૨૩ અંગો અને ટીસ્યુઓનું
દાન કરાવવામાં આવ્યું છે જેમાં ૪૩૦
કિડની, ૧૮૩ લિવર, ૮ પેન્કીઆસ,
૪૦ લૃદ્ધય, ૨૬ ફેકસાં, ૪ દાથ અને
૩૩૨ ચ્યબુઓના દાનથી કુલ ૮૭૮
વ્યક્તિઓને નવું જીવન અને નવી
દ્વાર્યી બધાવામાં સહિત મળી છે.

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

ભાસ્કર વિશેષ | રાજ્યપુત રલનકલાકાર યુવાનના મૃત્યુ બાદ અંગોના દિનથી 5 લોકોને નવજીવન કરારગામનો યુવાન બ્રેન ડેસ થતાં કિરણ હોસ્પિટલમાં જ લિવર, કિડની અને આંખોનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટેશન કરાયું

ફેલાઈફર | સુરત



દાંડી રોડ પર બાઈક સ્લીપ થઈ જતા ગંભીર રીતે ઘણાથા બાદ બ્રેનડેડ જાહેર કરાયેલા કતારગામના રાજ્યપુત સમાજના રલનકલાકાર યુવકના અગોનું દુન કરી પરિવર્તે માનવતા મહેકાવી હતી. કિરણ હોસ્પિટલમાં બ્રેનડેડ જાહેર કરાયેલા યુવકની બન્ને કિડની અને લિવરનું કિરણ હોસ્પિટલમાં જ અન્ય જરૂરીયાતમંદ દાદીઓમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું. જ્યારે બન્ને ચંદુઓનું પક્કા કિરણ હોસ્પિટલમાં જ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યો. યુવકના અગોના

દાન થડી 5 વાગ્ને દાડી રોડ સિલ્વર સ્ટેન વાકિતોને નવું જીવન મળશે. થઈ જતા માથાનાં ગંભીર ઈજા કતારગામ થઈ હતી. જેણી તેમને તાકાલિક અવધુત નગર સિવિલ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા. જ્યાંથી વૃદ્ધ સારવાર માટે ખાતે રહેતા અને મુળ તેમને ડિરસ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા. જ્યાં બેનએરેજ થયું હોવાના નિદાન બાદ 17 જૂને બાવનગરના વલલભીપુરના મોસ્ક્યુર ગામના વતની તેમને બેનએર જાહેર કરાયા હતા.

પૃથ્વીરાજસિંહ રાયસંગભાઈ ચોહાણા (36) કતારગામ ખાતે હીરાના કરાયાનામાં કામ કરતા હતા. ગઈ તા. 15 જૂનના રોજ તેમો મિત્રો સાથે દાંડી ફરવા માટે ગમા હતા. ત્યાંથી પરત ફરતી

વિલાની સામે તેમની બાઈક સ્લીપ છુટ્ટન મળશે. થઈ જતા માથાનાં ગંભીર ઈજા કતારગામ થઈ હતી. જેણી તેમને તાકાલિક સિવિલ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા. જ્યાંથી વૃદ્ધ સારવાર માટે તેમને ડિરસ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા. જ્યાં બેનએરેજ થયું હોવાના નિદાન બાદ 17 જૂને તેમને બેનએર જાહેર કરાયા હતા.

કિરણ હોસ્પિટલના મેડિકલ અપાર્કટર ડૉ. મેહુલ પંચાલે બેનેટ લાઇફનેઝ કરતા બેનેટ લાઇફની ટીમ હોસ્પિટ પહોંચી હતી અને પૃથ્વીરાજસિંહના પરિવારને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવ્યું હતું. કિરણ હોસ્પિટલના મેડિકલ સંમત થથે હતો. અંગદાન માટે દ્વારા ડિડની, લિવર અને ચંદુઓનું સોટેનો સંપર્ક કરી ડિડની અને દાન સ્વીકારવામાં આવ્યું હતું લિવર દાન માટે જ્યાંથાત સોટો દ્વારા ડિડની અને લિવર કિરણ દાદીઓમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું.

કતારગામના રલનકલાકારના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન અને રોશની મળી

(પ્રતીનિધિ દ્વારા)

સુરત શનિવાર

સુરતના કતારગામમાં હિંદુ કરીયા રાજ્યપુત સમાજના બ્રેનડેડ યુવાન રલનકલાકારની દીડની, લિવર અને ચંદુઓના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિનોને નવજીવન આપીને તેમના પરિવારે માનવતાની મહેકાવી કેવાળી સમજાને નવી ડિશા આત્માવી હતી.

હિંદુ કરીયા રાજ્યપુત સમાજના મૂળ ભાવનગરના ઉદ્વાજના પ્રથમાં પૃથ્વીરાજસિંહ ચૌહાણને બ્રેનડેડ જાહેર કરાયા હતા

મૂળ ભાવનગર જીલ્લામાં વલલભીપુર તાલુકાના માજાપુરગામનો વતની અને કતારગામના અભ્યુત્તલાગર પાસે હતી ડિન એપાર્ટમેન્ટમાં રહેતો તે વર્ષ ૨૦૧૫ પૃથ્વીરાજસિંહ રાયસંગભાઈ ચોહાણ ગત તા. ૧. ૫ મી.

મિત્ર સાથે દાંડી ખાતે ફરવા ગમા હતા. જેકે તે બાઈક પર ચેરે આવવા નીકળ્યો હતો. તે સમયે જાહેરપુરના સિલ્વર સ્ટેન પાસે બાઈક સ્લીપ થતા પૃથ્વીરાજસિંહને ઈજા થતા નવી સિવિલ હોસ્પિટલમાં જસેદાયો હતો. ત્યાંથી વૃદ્ધ સારવાર માટે જાનગી હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યો હતો. ત્યાં સીરી સેન્ટમાં તેમના મગજમાં લોડીનાં ગમ્બો જાન્યો હોવાનું નિદાન તથા ગમ. તા. ૧૩ની બ્રેનડેડ જાહેર કરાયા હતા. બેનેટ લાઇફના



સંપર્ક બાદ તેમના પરિવારે અંગદાનના સંમતા આપી હતી.

દાનમાં મળેલી ડિડની નવસારીમાં રહેતો ૧૫ વર્ષથી યુવતીને, બીજી ડિડની સુરતમાં રહેતો ૨૨ વર્ષથી યુવાનને તથા લિવર ગુરુત્વાન્ત કરવાની રહેતો ૬૭ વર્ષથી વાતાવરણ નીકળ્યો હતી. દાનમાં મળેલા ચંદુ ને જરૂરીયાતમંદે ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવાના પક્કા કર્યો હતું.

દાનમાં મળેલી ડિડની નવસારીમાં રહેતો ૧૦ વર્ષથી યુવતીને, બીજી ડિડની સુરતમાં રહેતો ૨૨ વર્ષથી યુવાનને તથા લિવર ગુરુત્વાન્ત કરવાની રહેતો ૬૭ વર્ષથી વાતાવરણ નીકળ્યો હતી. દાનમાં મળેલા ચંદુ ને જરૂરીયાતમંદે ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવાના પક્કા કર્યો હતું.

દાનમાં મળેલી ડિડની નવસારીમાં રહેતો ૧૫ વર્ષથી યુવતીને, બીજી ડિડની સુરતમાં રહેતો ૨૨ વર્ષથી યુવાનને તથા લિવર ગુરુત્વાન્ત કરવાની રહેતો ૬૭ વર્ષથી વાતાવરણ નીકળ્યો હતી. દાનમાં મળેલા ચંદુ ને જરૂરીયાતમંદે ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવાના પક્કા કર્યો હતું.

દાનમાં મળેલી ડિડની નવસારીમાં રહેતો ૧૦ વર્ષથી યુવતીને, બીજી ડિડની સુરતમાં રહેતો ૨૨ વર્ષથી યુવાનને તથા લિવર ગુરુત્વાન્ત કરવાની રહેતો ૬૭ વર્ષથી વાતાવરણ નીકળ્યો હતી. દાનમાં મળેલા ચંદુ ને જરૂરીયાતમંદે ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવાના પક્કા કર્યો હતું.

" જીતે જી રક્તદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્યદાન..."

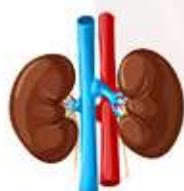


News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

DATE: JANUARY, 2006 TO 18TH JUNE, 2022



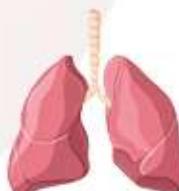
**430
KIDNEY**



**183
LIVER**



**40
HEART**



**26
LUNGS**



**08
PANCREAS**



**332
CORNEA**



**04
HANDS**

**TOTAL 1023 ORGANS & TISSUES DONATED,
which has given New Life & Vision to 936 PERSONS
ACROSS COUNTRY & GLOBE.**

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."